Daily Current Affairs
10 August 2026

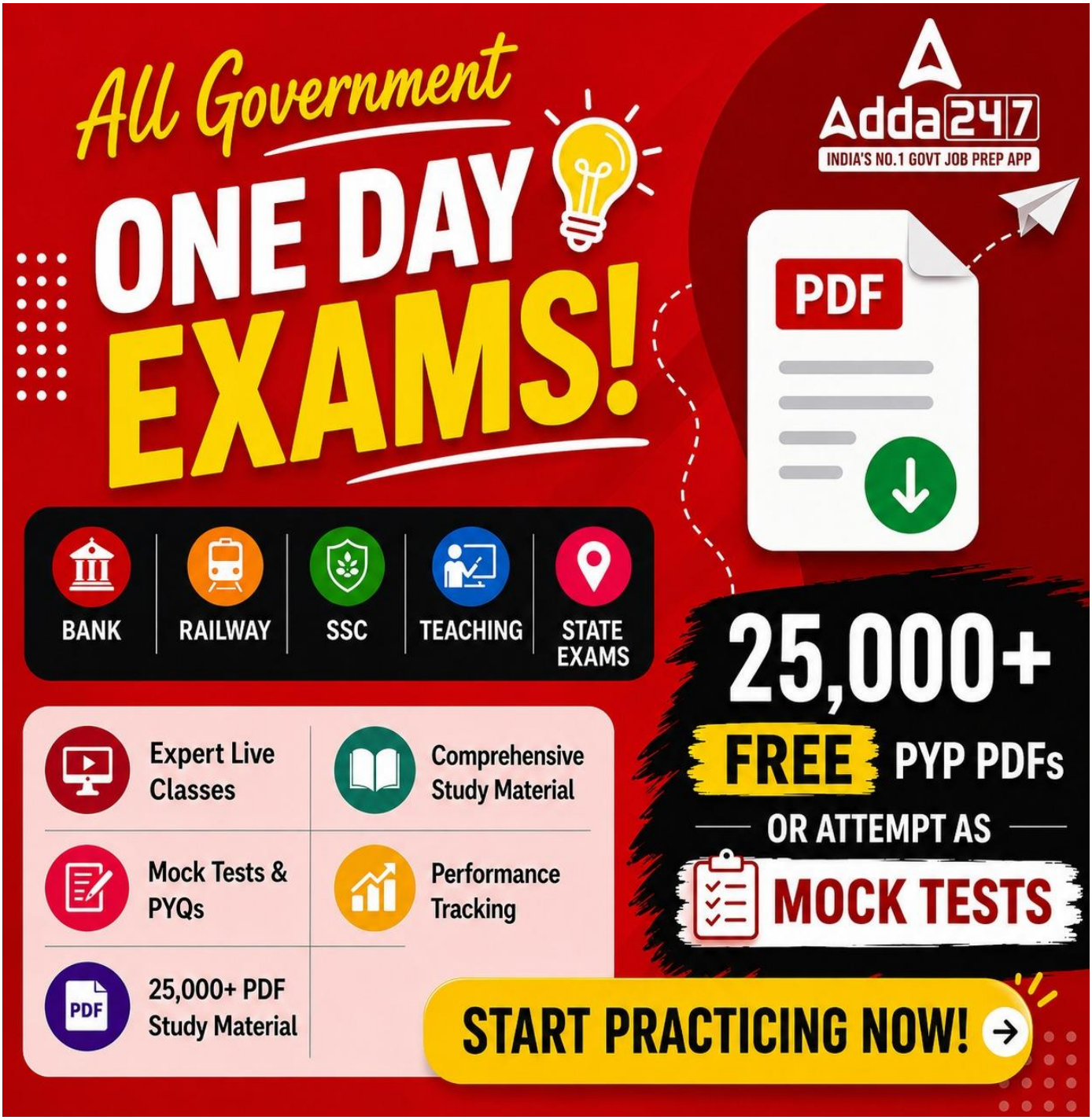

Daily Current Affairs Quiz 10 August 2026

Q1. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस किस ऐतिहासिक आंदोलन की स्मृति में मनाया जाता है?
(a) भारत छोड़ो आंदोलन
(b) असहयोग आंदोलन
(c) स्वदेशी आंदोलन
(d) सविनय अवज्ञा आंदोलन
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) स्वदेशी आंदोलन है
स्पष्टीकरण:
• 1905 में स्वदेशी आंदोलन की ऐतिहासिक शुरुआत को चिह्नित करने के लिए 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है।
• स्वदेशी आंदोलन की आधिकारिक घोषणा 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता टाउन हॉल में आयोजित एक ऐतिहासिक जनसभा में की गई थी।
• इस आंदोलन ने आयातित विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को प्रोत्साहित किया और स्वदेशी उद्योगों, विशेष रूप से हाथ से बुने हुए भारतीय वस्त्रों को बढ़ावा दिया।
• इसने आर्थिक आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भरता) की नींव स्थापित की और पूरे भारत में घरेलू हथकरघा बुनकरों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन प्रदान किया।
• 7 अगस्त मनाकर, भारत सरकार स्वतंत्रता संग्राम को श्रद्धांजलि अर्पित करती है और स्वदेशी शिल्प कौशल के स्थायी मूल्य पर जोर देती है।
Information Booster:
• 1905 में वायसराय लॉर्ड कर्जन द्वारा घोषित बंगाल का विभाजन देशव्यापी स्वदेशी आंदोलन के लिए प्राथमिक उत्प्रेरक साबित हुआ।
• बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल, लाला लाजपत राय और अरबिंदो घोष सहित प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं ने स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व किया।
• महात्मा गांधी ने बाद में चरखा और खादी को स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय बनाकर स्वदेशी विचारधारा का विस्तार किया।
• हथकरघा उद्योग कृषि के बाद ग्रामीण भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है, जो लाखों कुशल शिल्पकारों और उनके परिवारों का भरण-पोषण करता है।
• राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर प्रदर्शित प्रसिद्ध हथकरघा उत्पादों में कांचीवरम, बनारसी, चंदेरी, पोचमपल्ली और पश्मीना जैसे GI-टैग वाले वस्त्र शामिल हैं।
Additional Knowledge:
• भारत छोड़ो आंदोलन (विकल्प A): भारत में ब्रिटिश शासन को तत्काल समाप्त करने की मांग को लेकर 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी द्वारा शुरू किया गया, जिसे अगस्त क्रांति के रूप में याद किया जाता है।
• असहयोग आंदोलन (विकल्प B): औपनिवेशिक संस्थानों, उपाधियों और वस्तुओं का अहिंसक रूप से बहिष्कार करने के लिए महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1920 में शुरू किया गया था।
• सविनय अवज्ञा आंदोलन (विकल्प D): ब्रिटिश नमक एकाधिकार कानूनों को तोड़ने के लिए गांधी के प्रसिद्ध दांडी नमक मार्च के साथ मार्च 1930 में शुरू हुआ।

Q2. भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हर वर्ष कब मनाया जाता है?
(a) 7 अगस्त
(b) 15 अगस्त
(c) 5 सितंबर
(d) 2 अक्टूबर

Ans.(a)
Sol. सही उत्तर (A) 7 अगस्त है
स्पष्टीकरण:
• भारत में हर वर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है।
• यह दिन भारत की सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और टिकाऊ फैशन में हथकरघा बुनकरों के योगदान को सम्मानित करता है।
• 7 अगस्त को स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में चुना गया था, जिसे 1905 में इसी तिथि को कलकत्ता टाउन हॉल में औपचारिक रूप से शुरू किया गया था।
• वस्त्र मंत्रालय 7 अगस्त को राष्ट्रीय समारोहों, पुरस्कार समारोहों, कपड़ा प्रदर्शनियों और जागरूकता अभियानों का नेतृत्व करता है।
• इस आयोजन का उद्देश्य नागरिकों को प्रामाणिक स्वदेशी हथकरघा वस्त्र खरीदकर हथकरघा बुनकरों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना है।
Information Booster:
• भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर 2015 में 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में नामित किया था, जिसका उद्घाटन चेन्नई में हुआ था।
• हथकरघा क्षेत्र भारत के सबसे बड़े असंगठित आर्थिक क्षेत्रों में से एक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों कारीगरों को आजीविका प्रदान करता है।
• हथकरघा कार्यबल में 70% से अधिक महिला बुनकर शामिल हैं, जो इस क्षेत्र को ग्रामीण महिला सशक्तिकरण का एक प्रमुख चालक बनाता है।
• भारत दुनिया के अधिकांश हाथ से बुने हुए वस्त्रों का उत्पादन करता है, जिसमें कांचीवरम, बनारसी और चंदेरी जैसे प्रसिद्ध GI-टैग वाले उत्पाद शामिल हैं।
• हथकरघा उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल है, जो कम ऊर्जा वाले मैनुअल करघे और प्राकृतिक टिकाऊ फाइबर पर निर्भर है।
Additional Knowledge:
• 15 अगस्त (विकल्प B): भारत के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1947 में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की याद दिलाता है।
• 5 सितंबर (विकल्प C): डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।
• 2 अक्टूबर (विकल्प D): महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

Q3. भारत सरकार ने किस वर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में नामित किया था?
(a) 2014
(b) 2015
(c) 2016
(d) 2017
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (B) 2015 है
स्पष्टीकरण:
• 2015 में, भारत सरकार ने स्वदेशी हथकरघा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक तौर पर 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में नामित किया।
• पहले राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 7 अगस्त 2015 को तमिलनाडु के चेन्नई में मद्रास विश्वविद्यालय के शताब्दी हॉल में किया गया था।
• इस दिन को नामित करने का प्राथमिक उद्देश्य भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा उद्योग के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में जन जागरूकता पैदा करना है।

• 7 अगस्त को विशेष रूप से स्वदेशी आंदोलन के साथ इसके गहरे ऐतिहासिक संबंध के कारण तारीख के रूप में चुना गया था, जिसे 1905 में इसी तारीख को औपचारिक रूप से शुरू किया गया था।
• हथकरघा क्षेत्र देश की सबसे बड़ी असंगठित आर्थिक गतिविधियों में से एक बना हुआ है, जो समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
Information Booster:
• हथकरघा क्षेत्र आर्थिक लैंगिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें पूरे भारत में हथकरघा बुनाई कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 70% से अधिक है।
• आधुनिक टिकाऊ फैशन प्रथाओं के साथ पारंपरिक कलात्मक शिल्प कौशल का सम्मिश्रण करते हुए, भारत दुनिया के हाथ से बुने हुए वस्त्रों के एक बहुत बड़े हिस्से का उत्पादन करता है।
• सरकार द्वारा संचालित प्रमुख विकासात्मक कार्यक्रमों में राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP), बुनकर मुद्रा योजना और हथकरघा मार्क प्रमाणन शामिल हैं।
• हथकरघा मार्क योजना उत्पादों की वास्तविक हाथ से बुने होने की गारंटी देती है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों कपड़ा बाजारों में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है।
• मास्टर बुनकरों का जश्न मनाने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के दौरान संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किए जाते हैं।
Additional Knowledge
• 2014 (विकल्प A): यद्यपि नई सरकार ने 2014 में कार्यभार संभाला था, लेकिन राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की स्थापना की आधिकारिक नीति घोषणा अगस्त 2015 में हुई थी।
• 2016 (विकल्प C): 2016 में, उत्तर प्रदेश के वाराणसी में प्रमुख हथकरघा बुनाई समूहों पर जोर देते हुए दूसरा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया।
• 2017 (विकल्प D): 2017 में, असम के गुवाहाटी में तीसरे राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह की मेजबानी की गई, जिसमें पारंपरिक उत्तर-पूर्वी बुनाई पर प्रकाश डाला गया।

Q4. 7 अगस्त 2026 को आयोजित 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कौन हैं?
(a) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
(b) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़
(c) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू
(d) केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू है
स्पष्टीकरण:
• राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 7 अगस्त 2026 को 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की।
• यह राष्ट्रीय कार्यक्रम नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC) में आयोजित किया गया था, जिसका आयोजन वस्त्र मंत्रालय द्वारा किया गया था।
• अपने संबोधन में, राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण आर्थिक संरचना को संरक्षित करने में हथकरघा बुनकरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।
• उन्होंने शिल्प कौशल में उत्कृष्टता के लिए उत्कृष्ट बुनकरों को प्रतिष्ठित संत कबीर पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार प्रदान किए।
• राष्ट्रपति मुर्मू ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से बुनकर समुदायों के बीच आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए हथकरघा उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया।

Information Booster:
• द्रौपदी मुर्मू भारत की 15वीं राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने जुलाई 2022 में सर्वोच्च संवैधानिक पद धारण करने वाली पहली आदिवासी नेता के रूप में पदभार ग्रहण किया।
• राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर राष्ट्रपति की उपस्थिति पारंपरिक शिल्प और स्वदेशी कारीगरों से जुड़े गहरे राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करती है।
• वस्त्र मंत्रालय भारत भर के दूरदराज के क्षेत्रों से मास्टर बुनकरों की पहचान करने और उन्हें सम्मानित करने के लिए राज्य एजेंसियों के साथ निकट समन्वय में काम करता है।
• महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में हथकरघा बुनाई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें देश भर में बुनाई कार्यबल में महिला कारीगरों का दबदबा है।
• उनके संबोधन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के संबंध में वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के साथ पारंपरिक हथकरघा उत्पादन को संरेखित करने पर जोर दिया गया।
Additional Knowledge:
• प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (विकल्प A): 2015 में चेन्नई में उद्घाटन राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उद्घाटन किया और 2023 में भारत मंडपम में 9वें संस्करण में भाग लिया।
• उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ (विकल्प B): भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में कार्य करते हैं, जो संसदीय और संवैधानिक कार्यों की अध्यक्षता करते हैं।
• केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह (विकल्प D): केंद्रीय वस्त्र मंत्री के रूप में कार्य करते हैं, जो मंत्रिस्तरीय नीति निष्पादन और क्षेत्र विकास की देखरेख करते हैं।

Q5. 7 अगस्त 2026 को 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह का आयोजन कहाँ किया गया था?
(a) विज्ञान भवन, नई दिल्ली
(b) भारत मंडपम, नई दिल्ली
(c) राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC), नई दिल्ली
(d) इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC), नई दिल्ली है
स्पष्टीकरण:
• 7 अगस्त 2026 को 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह का आयोजन नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC) में किया गया था।
• इस कार्यक्रम में पूरे भारत के मास्टर बुनकर, कारीगर, फैशन डिजाइनर, सरकारी प्रतिनिधि और कपड़ा उद्योग के नेता एक साथ आए।
• राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र उच्च स्तरीय राष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए राष्ट्रपति संपदा के भीतर एक प्रतिष्ठित स्थल के रूप में कार्य करता है।
• समारोह का मुख्य आकर्षण असाधारण हथकरघा बुनकरों को संत कबीर पुरस्कारों सहित राष्ट्रीय सम्मानों की प्रस्तुति थी।
• पारंपरिक भारतीय हथकरघा शिल्प की समृद्ध विविधता को उजागर करने के लिए विशेष प्रदर्शनियों और जीवंत बुनाई प्रदर्शनों का आयोजन किया गया था।
Information Booster:
• राष्ट्रीय हथकरघा दिवस प्रतिवर्ष भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तत्वावधान में मनाया जाता है।
• यह आयोजन बुनकरों के समर्थन के लिए तैयार की गई सरकारी नीतियों पर प्रकाश डालता है, जिसमें ऋण सहायता, आधुनिक करघा वितरण और ई-कॉमर्स जुड़ाव शामिल हैं।
• भारत में 70% से अधिक हथकरघा बुनकर महिलाएं हैं, जो हथकरघा प्रोत्साहन को ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों का केंद्र बनाती हैं।
• हथकरघा बुनाई एक पर्यावरण के अनुकूल निर्माण प्रक्रिया है जो शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ संचालित होती है और प्राकृतिक टिकाऊ फाइबर का उपयोग करती है।

• समारोह ग्रामीण कारीगरों की आजीविका और टिकाऊ फैशन का समर्थन करने के लिए हथकरघा उत्पादों को चुनने के बारे में जन जागरूकता को प्रोत्साहित करता है।

Additional Knowledge

• विज्ञान भवन, नई दिल्ली (विकल्प A): प्रमुख राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और मंत्रिस्तरीय बैठकों के लिए उपयोग किया जाने वाला एक प्रमुख सरकारी स्थल है।

• भारत मंडपम, नई दिल्ली (विकल्प B): प्रगति मैदान में एक बड़े पैमाने का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र है जिसका उपयोग G20 और BIRC 2026 जैसे प्रमुख शिखर सम्मेलनों के लिए किया जाता है।

• इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली (विकल्प D): सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गैर-सरकारी कार्यशालाओं, कला प्रदर्शनों और बौद्धिक सेमिनारों की मेजबानी के लिए जाना जाता है।